CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

UPPSC

भारतीय अर्थव्यवस्था हल प्रश्न-पत्र

- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समस्त परीक्षाओं का त्रुटिरहित हल, आयोग द्वारा जारी उत्तर कुंजी के अनुरूप
- पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्पों व अन्य विकल्पों से संबंधित जानकारी, अतिरिक्त पाठ्य सामग्री के साथ
- भविष्य में आयोजित होने वाली समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु उपयोगी

UPPSC
भारतीय अर्थव्यवस्था
हल प्रश्न-पत्र

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समस्त परीक्षाओं का त्रुटिरहित हल, आयोग द्वारा जारी उत्तर कुंजी के अनुरूप

पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्पों व अन्य विकल्पों से संबंधित जानकारी, अतिरिक्त पाठ्य सामग्री के साथ

भविष्य में आयोजित होने वाली समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु उपयोगी

संपादक
एन. एन. ओझा

संकलन व हल
क्रॉनिकल संपादकीय समूह

CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

अनुक्रमणिका

1. **अर्थव्यवस्था की आधारभूत संकल्पना** 3-9

2. **भारत में आर्थिक नियोजन** 10-14
   - पंचवर्षीय योजनाएं 12

3. **लोक वित्त** 15-23

4. **भारतीय वित्तीय एवं मौद्रिक नीति** 24-43
   - भारतीय रिजर्व बैंक 32
   - वित्तीय समावेशन 36

5. **कृषि और संबद्ध क्षेत्र** 44-60
   - खाद्य सुरक्षा एवं वितरण प्रणाली 57
   - कृषि संबंधी योजनाएं और नीति 59

6. **उद्योग और अवसंरचना** 61-76
   - निवेश और विनिवेश 69
   - सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग 70
   - औद्योगिक वित्त 71
   - औद्योगिक योजना/नीति 71

7. **सेवा और विदेश व्यापार** 77-86
   - रुपये का अवमूल्यन/परिवर्तनीयता 83

8. **सामाजिक-आर्थिक विकास** 87-113

9. **समसामयिकी** 114-114

भारतीय अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था की आधारभूत संकल्पना

प्रश्न:निम्नलिखित में से कौन-सी आर्थिक क्रिया नहीं है?

(a) परिवहन (b) किसानी (खेती)
(c) नौकरी (d) स्वेच्छिक समाज सेवा

U.P.P.C.S. (Pre) - 2023

उत्तर: (d), स्वेच्छिक सामाजिक सेवा आर्थिक क्रिया नहीं है।

व्याख्या: उस क्रिया को आर्थिक क्रिया कहते हैं जिसका संबंध मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए सीमित साधनों के उपयोग से होता है। उदाहरण- (क) एक व्यक्ति का अपने बाग में कार्य करना (ख) एक स्त्री द्वारा अपने पति के लिए खाना पकाना (ग) एक व्यक्ति द्वारा अपने घर में सफेदी कराना। सामाजिक जीवन में मनुष्य अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए विभिन्न प्रकार की क्रियाएं करता है। इनमें कुछ क्रियाएं मानसिक संतुष्टि या सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए की जाती है। जो क्रियाएं धनोपार्जन के उदेश्य से की जाती है, उन्हें आर्थिक क्रिया कहते हैं।

प्रश्न:निम्नलिखित में से कौन-सा आर्थिक विकास का प्रमुख कारक नहीं है?

(a) पूंजी का संचय एवं तकनीक सुधार
(b) जनसंख्या में परिवर्तन
(c) विशेषीकृत क्रियाओं/गतिविधियों में श्रम विभाजन
(d) तकनीकविद् एवं नौकरशाह

U.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर: (d), आर्थिक विकास से आशय उस प्रक्रिया से है,जिसके परिणामस्वरूप देश के समस्त उत्पादन साधनों का कुशलतापूर्वक दोहन होता है, साथ ही साथ राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय में निरंतर एवं दीर्घकालिक वृद्धि होती है तथा जीवन स्तर एवं मानव विकास सूचकांक में सुधार की स्थिति उत्पन्न होती है।

व्याख्या: आर्थिक विकास में गैर-आर्थिक चर को भी शामिल किया जाता है, जैसे- शिक्षा एवं साक्षरता दर, पोषण स्तर, स्वास्थ्य सेवाएँ, जीवन प्रत्याशा तथा लैंगिक विकास आदि।

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अनुसार, "विकास मानवीय प्रयत्न का परिणाम है, आर्थिक विकास एक सतत् प्रक्रिया है, जिससे राष्ट्रीय आय में निरन्तर वृद्धि होती रहती है।'' आर्थिक विकास में कृषि की अपेक्षा उद्योगों, विनिर्माण, सेवा एवं बैंकिंग आदि क्षेत्रों का सकल राष्ट्रीय आय में हिस्सा सर्वाधिक होता है।

प्रश्न:पर्यावरण कुजनेट्स वक्र पर्यावरणीय क्षति एवं प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. के मध्य संबंध दर्शाता है। इस पर्यावरणीय कुजनेट्स वक्र का आकार किस प्रकार का होता है?

(a) उल्टा 'यू' आकार (b) उल्टा 'वी' आकार
(c) उल्टा 'एल' आकार (d) इनमें से कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर: (a), कुजनेट्स वक्र की अवधारणा को उल्टा यू-आकार के वक्र द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।

व्याख्या: अर्थशास्त्री कुजनेट्स द्वारा आर्थिक विकास एवं असमानता को स्पष्ट करने के लिए कुजनेट्स वक्र की अवधारणा रखी जिसके अनुसार आरम्भ में बाजार की ताकतों के कारण आर्थिक विकास के दौरान असमानता बढ़ती है, परन्तु एक निश्चित विकास स्तर की प्राप्ति के बाद विषमता स्तर में कमी आती है। इसी अवधारणा को पर्यावरण एवं आर्थिक विकास के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है। जिसके अनुसार आरम्भ में आर्थिक विकास के कारण पर्यावरणीय ह्रास में वृद्धि होती है परन्तु एक निश्चित विकास स्तर की प्राप्ति के बाद इसमें गिरावट होती है।

प्रश्न:निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषताएं भारतीय अर्थव्यवस्था को विकासशील श्रेणी में दर्शाती हैं?

1. कृषि मुख्य व्यवसाय
2. प्रच्छन्न बेरोजगारी
3. मानव पूंजी की निम्न गुणवत्ता
4. प्रोटीन का प्रति व्यक्ति सेवन उच्च होना

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट:

(a) केवल 1 तथा 2 (b) 1 तथा 4
(c) केवल 2 तथा 3 (d) 1, 2 तथा 3

U.P.P.C.S. (Mains) 2017 - Paper-II

उत्तर: (d), इस अर्थव्यवस्था की निम्न विशेषता होती है

व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, "एक देश जिसकी वास्तविक प्रति व्यक्ति आय विकसित संयुक्त राज्य की प्रति व्यक्ति आय के एक चौथाई से कम है, एक विकासशील देश होगा।"

- सार्वभौमिक गरीबी।
- बढ़ती जनसंख्या को उच्च जीवन स्तर प्रदान करने की क्षमता।
- पूँजी की कमी।
- अल्प-विकसित यातायात तथा संचार-व्यवस्था व अविकसित उद्योग।

प्रश्न:अल्प विकसित अर्थव्यवस्था की सामान्यतया विशेषता होती है:

1. प्रति व्यक्ति निम्न आय
2. पूंजी निर्माण की निम्न दर
3. निम्न आश्रितता अनुपात
4. तृतीयक क्षेत्र में अधिक कार्यबल शक्ति का होना

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट:

(a) 1 तथा 2 (b) 2 तथा 3
(c) 3 तथा 4 (d) 1 तथा 4

U.P.P.C.S. (Mains) 2017 - Paper-II

उत्तर: (a), अल्प विकसित अर्थव्यवस्था की निम्न विशेषता होती है-

भारत में आर्थिक नियोजन

प्रश्न:सूची-I को सूची-II के साथ मिलान कीजिए, नीचे दिए गए कूट में से अपने उत्तर चयन कीजिए-

सूची-I (पंचवर्षीय योजना)	**सूची-II (प्रयुक्त विकास मॉडल)**
A. प्रथम	1. एस. चक्रवर्ती मॉडल
B. द्वितीय	2. हैरोड-डोमर मॉडल
C. तृतीय	3. अशोक रूद्र मॉडल
D. चतुर्थ	4. महालनोबिस मॉडल

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	1	3	2	4
(b)	2	4	1	3
(c)	3	1	2	4
(d)	2	1	4	3

U.P.P.C.S. RO/ARO (Pre) - 2021

उत्तर: (b),

व्याख्या: पंचवर्षीय योजना हर 5 साल के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश के लोगो के लिए आर्थिक और सामजिक विकास के लिए शुरू की जाती है।

- इस योजना के अंतर्गत देश में कृषि विकास, रोजगार के अवसर प्रदान करना, मानवीय व भौतिक संसाधनों का उपयोग कर उत्पादकता को बढ़ावा आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध करना है।
- प्रथम पंचवर्षीय योजना की शुरुआत 1951-56 में की गयी थी। जो कि हैरोड़-डोमर मॉडल पर आधारित थी। जिसका मुख्य उद्देश्य बांधों और सिंचाई में निवेश पर बल देना था।
- द्वितीय पंचवर्षीय योजना की शुरुआत 1956-61 में की गयी थी। जो कि महालनोबिस मॉडल पर आधारित थी। जिसका मुख्य उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना था।

प्रश्न:नियोजन की निम्नलिखित आवश्यकताओं पर विचार कीजिए।

1. सन्तुलित सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए है।
2. विकास के लाभ को सम-आचरण द्वारा आगे बढ़ाने के लिए है।
3. क्षेत्रीय असन्तुलन के दूरीकरण को प्रमुखता देने के लिए है।
4. उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए है।

इनमें से

(a) केवल 1 और 2 सही है
(b) केवल 1, 2 और 3 सही है
(c) केवल 2, 3 और 4 सही है
(d) 1, 2, 3 और 4 सही है

U.P.P.C.S. (Mains) - 2016 Paper-II

उत्तर: (d), नियोजन का अर्थ पहले से यह निश्चिय करना है कि भविष्य में क्या करना है तथा कैसे करना है। नियोजन से तात्पर्य उद्देश्यों का निर्धारण तथा इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए समुचित कार्यविधि तथा सभी प्रबंधकीय निर्णयों तथा कार्यवाहियों को विकसित करने से है। नियोजन की आवश्यकता के सन्दर्भ में उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

व्याख्या: नियोजन से तात्पर्य उद्देश्य के निर्धारण तथा इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए समुचित कार्यविधि विकसित करने से है।

प्रश्न:1944 में गांधीवादी योजना को प्रतिपादित किया था

(a) एन.आर. सरकार ने (b) कस्तूरी भाई लाल भाई ने
(c) जयप्रकाश नारायण ने (d) श्रीमन नारायण अग्रवाल ने

U.P.P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर: (d), महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रभावित होकर 1944 में वर्धा कामर्शियल कॉलेज के प्रिंसिपल श्रीमन नारायण अग्रवाल द्वारा गांधीवादी योजना का प्रतिपादन किया गया था।

व्याख्या: गांधीवादी योजना का मुख्य उद्देश्य जनता के भौतिक स्तर के साथ-साथ सांस्कृतिक स्तर को ऊपर उठाना था इसमें कृषि पर विशेष बल दिया गया था।

प्रश्न:योजना आयोग का अन्त किस प्रधानमंत्री ने किया?

(a) नरेन्द्र मोदी (b) मोरारजी देसाई
(c) अटल बिहारी वाजपेयी (d) आई. के. गुजराल

U.P.P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर: (a), योजना आयोग की जगह 1 जनवरी, 2015 को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के एक प्रस्ताव द्वारा नीति आयोग का गठन किया गया था। इस समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी थे।

व्याख्या: योजना आयोग को समाप्त कर 2015 में नीति आयोग का गठन किया गया। यह भारत सरकार का चिंक टैंक है जो सहकारी संघवाद की भावना से कार्य करता है।

प्रश्न:निम्नलिखित में से किस देश ने सरकारी तौर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम को सर्वप्रथम अपनाया?

(a) ब्राजील ने (b) यू. एस. ए. ने
(c) भारत ने (d) चीन ने

U.P.P.C.S. (Pre) - 2012

उत्तर: (c), परिवार नियोजन कार्यक्रम की विश्व में सर्वप्रथम शुरुआत भारत में हुई थी।

व्याख्या: वर्ष 1952 में इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण का लक्ष्य प्राप्त करना था। यह कार्यक्रम प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ मातृ, शिशु एवं बाल मृत्यु दर तथा रोग दर को भी कम करता है। इसके अंतर्गत वर्तमान में 2016 से 7 उच्च प्रजनन दर वाले राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा असम) में मिशन परिवार विकास चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 146 जिलों में गर्भनिरोधक तरीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है।

लोक वित्त

प्रश्न:निम्नलिखित में से किस देश में शून्य आधारित बजट सर्वप्रथम लागू किया गया था?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) फ्रांस
(c) भारत (d) जर्मनी

U.P.P.C.S. (Mains) 2017 - Paper-II

उत्तर: (a), शून्य आधारित बजट की अवधारणा सबसे पहले पीटर फायर ने अमेरिका में दी थी।

व्याख्या: इस बजट के अन्तर्गत कोई पूर्व निर्धारित आधार नहीं होता है। अत: इस बजट के निर्माण के लिए पूर्ववर्ती मदों को शून्य मान लिया जाता है। अर्थात् इस बजट का निर्माण बिना किसी आधार के किया जाता है। इस शब्द को "पीटर पायर" ने दिया था। सबसे पहले इस बजट को 1970 के दशक में अमेरिका में शुरू किया था।

❖ शून्य आधारित बजट में गत वर्षों के व्यय सम्बन्धी आंकड़ों को कोई महत्व नहीं दिया जाता है। इस प्रणाली में कार्य इस आधार पर शुरू किया जाता है कि अगली अवधि के लिए बजट शून्य है।

प्रश्न:केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को गैर-योजना अनुदान निम्नलिखित की अनुशंसा पर दिया जाता है:

(a) वित्त आयोग (b) भारतीय रिजर्व बैंक
(c) वित्त मंत्रालय (d) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

U.P.P.C.S. (Mains) 2017 - Paper-II

उत्तर: (a), केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को गैर योजना अनुदान वित्त मंत्रालय की अनुशंसा पर प्रदान किया जाता है।

व्याख्या: केंद्र तथा राज्यों के बीच वित्तीय व राजकोषीय संबंधों की व्याख्या संविधान के भाग-12 के अध्याय (1) में की गई है।

प्रश्न:खुले बाजार की कार्यवाहियां समाहित होती हैं-

(a) साख नियंत्रण की गुणात्मक विधियों में
(b) साख नियंत्रण की परिमाणात्मक विधियों में
(c) राजकोषीय नीति नियंत्रण में
(d) श्रम नीति नियंत्रण में

U.P.P.C.S. (Mains) 2017 - Paper-II

उत्तर: (b), आइबीआई के परिणात्मक या मातात्मक साख नियंत्रण विधि में खुले बाजार की क्रियाएं, बैंक दर, वैधानिक तरलता अनुपात, नकद आरक्षित अनुपात, रेपो रेट, रिवर्स रेपो रेट शामिल है।

व्याख्या: खुला बाजार परिचालन (OMO) धन की कुल मात्रा को विनियमित या नियंत्रित करने के लिये मात्रात्मक मौद्रिक नीति उपकरणों में से एक है, जो केंद्रीय बैंक द्वारा अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिये नियोजित की गई है। इनमें सरकारी प्रतिभूतियों की एकमुश्त खरीद/बिक्री, टिकाऊ चलनिधि डालना/अवशोषित करना क्रमश: दोनों शामिल हैं। RBI द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री या खरीद के माध्यम से मुद्रा आपूर्ति की स्थिति को समायोजित करने के लिये खुले बाजार का संचालन किया जाता है।

प्रश्न:संघ-सरकार के राजस्व व्यय का सबसे महत्वपूर्ण मद निम्नलिखित में से कौन है?

(a) प्रमुख आर्थिक साहाय्य (b) पेंशन
(c) वेतन तथा भत्ते (d) ब्याज अदायगी

U.P.P.C.S. (Mains) 2017 - Paper-II

उत्तर: (d), राजस्व व्यय केन्द्र सरकार का भौतिक या वित्तीय परिसंपत्तियों के सृजन के अतिरिक्त अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया व्यय है। राजस्व व्यय का संबंध सरकारी विभागों के सामान्य कार्यों तथा विविध सेवाओं, सरकार द्वारा उपगत ऋण ब्याज अदायगी, राज्य सरकारों और अन्य दलों को प्रदत्त अनुदानों (यद्यपि कुछ अनुदानों से परिसंपत्तियों का सृजन भी हो सकता है) आदि पर किये गए व्यय से होता है।

प्रश्न:लाभ मात्र अनुपात में सुधार निम्नलिखित के द्वारा किया जा सकता है-

(a) बिक्री कीमत में वृद्धि
(b) बिक्री मिश्रण को बदलना
(c) परिवर्तनशील लागत को कम करना
(d) उपर्युक्त सभी

U.P.P.C.S. RO/ARO (Mains) - 2017

उत्तर (d), उपर्युक्त में से सभी विकल्प सत्य है।

व्याख्या: जब किसी इकाई का योगदान सीमा प्रतिशत के रूप में दिखायी जाती है, तब यह लाभ मात्रा अनुपात कहलाती है। यह अनुपात योगदान और विक्रय की कुल मात्रा के मध्य संबंध को दर्शाता है। लाभ एवं विक्रय की मात्रा के बीच का अनुपात किसी भी व्यवसाय की लाभोत्पादकता का संकेतक होता है। इस अनुपात के आधार पर प्रबंधन सबसे अधिक लाभ का बिक्री क्षेत्र, उत्पादन की दिशा तथा विक्रय की विधि का चयन करती है।

प्रश्न:निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(a) नीति अनुमोदन प्रस्ताव- बजट की मांग को घटाकर एक रुपया कर दिया जाए
(b) मितव्ययिता प्रस्ताव - बजट की मांग में से एक निर्दिष्ट राशि घटा दी जाए
(c) सांकेतिक प्रस्ताव - बजट की मांग में से एक सौ रुपए कम कर दिए जाएं
(d) लेखानुदान - बजट मांगों को पूर्ण रूप से वित्तीय वर्ष के लिए पारित करना

U.P.P.C.S. (Pre) - 2017

उत्तर: (d), लेखानुदान सामान्यत: एक वर्ष की बजाए कुछ माह के लिए संसद से जरूरी खर्च के लिए अनुदान प्राप्त करना, के रूप में वर्णित किया जाता है। इसमें केवल खर्च का ब्यौरा होता है। इसमें राजस्व का ब्यौरा नहीं होता है।

भारतीय वित्तीय एवं मौद्रिक नीति

प्रश्न: भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) का मुख्यालय निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है?

(a) कानपुर (b) लखनऊ
(c) गाजियाबाद (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.P.C.S. RO (Mains) - 2021

उत्तर: (b), भारतीय सघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) का मुख्यालय 'लखनऊ' में है।

व्याख्या: इसे 2 अप्रैल 1990 को भारतीय संसद के एक अधिनियम के तहत स्थापित किया गया। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की स्थापना 2 अप्रैल 1990 को संसद के एक अधिनियम के तहत, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के संवर्द्धन, वित्तपोषण एवं विकास के लिए और साथ ही इसी तरह की गतिविधियों में संलग्न संस्थाओं के कार्यों का समन्वय करने हेतु प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में की गई। यह संस्था एमएसएमई क्षेत्र की वित्तीय और विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एकल खिड़की के रूप में एक प्रतिस्पर्धा ग्राहक अनुकूल संस्थान है।

प्रश्न: निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-

(1) नाबार्ड की स्थापना
(2) स्वयं सहायता समूह का बैंक लिंकेज कार्यक्रम
(3) किसान क्रेडिट कार्ड योजना
(4) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना

कूट:

(a) (4), (1), (2) और (3)
(b) (4), (2), (3) और (1)
(c) (1), (2), (3) और (4)
(d) (4), (3), (2) और (1)

U.P.P.C.S. RO (Mains) - 2021

उत्तर: (a), निम्न संस्थाओं का क्रम क्रमश: इस प्रकार है-

व्याख्या: क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना 1975 - क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की स्थापना 1975 में 26 सितंबर, 1975 को प्रख्यापित अध्यादेश और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को विकसित करने उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, व्यापार, वाणिज्य, उद्योग और अन्य उत्पादक गतिविधियां के विकास हेतु ऋण और अन्य सुविधाएं प्रदान करता है।

- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना 1975
- नाबार्ड की स्थापना 1982
- स्वयं सहायता समूह का बैंक लिंकेज कार्यक्रम 1992-93
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना 1998

नाबार्ड की स्थापना 1982 - भारतीय रिजर्व बैंक के कृषि ऋण कार्यों और तत्कालीन कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम (एआरडीसी) के पुनर्वित्त कार्यों को अंतरित कर नाबार्ड 12 जुलाई 1982 को अस्तित्व में आया. यह संस्था स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा 05 नवंबर 1982 को राष्ट्र की सेवा में समर्पित की गई।

- किसान क्रेडिट कार्ड योजना 1998 - यह सरकार का इस योजना को शुरू करने का उदेश्य किसानों की खेती संबधित खर्च के लिए बैंक के माध्यम से बहुत कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाना है।
- स्वयं सहायता समूह का बैंक लिंकेज कार्यक्रम 1992-93 में आरम्भ हुआ था।

प्रश्न: भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का हाल ही में किए गये एकीकरण का अनेक लाभ लक्षित है।

1. पैमाने की मितव्ययिता
2. पूँजी तक आसान पहुँच
3. व्यापक भौगोलिक क्षेत्र तक विस्तार
4. विश्व स्तरीय आकार के बैंक

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही लाभों का चयन कीजिए:

कूट:

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 सभी

U.P.P.C.S. BEO (Pre) - 2020

उत्तर: (d), बैंकों के एकीकरण के लाभ-

- कंपनी की पहुँच का विस्तार करना।
- नए क्षेत्रों में कंपनी का विस्तार करना।
- कंपनी की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना।
- परिचालन लागत में भी कमी करना।
- बैंकों की कार्यकुशलता में भी वृद्धि।

प्रश्न: निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. नाबार्ड की स्थापना
2. स्वयं सहायता समूह का बैंक लिंकेज कार्यक्रम
3. किसान क्रेडिट बैंक की स्थापना
4. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिए।

कूट:

(a) 4, 1, 2, 3 (b) 4, 2, 3, 1
(c) 1, 2, 3, 4 (d) 4, 3, 2, 1

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर: (*), सही कालानुक्रम है-

व्याख्या: नाबार्ड एक विकास बैंक है जो प्राथमिक तौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है।

कृषि और संबद्ध क्षेत्र

प्रश्न:सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

	सूची I (क्रांति)		**सूची II (संबंधित है)**
(A)	गोल्डन क्रांति	1.	तिलहन उत्पादन
(B)	ग्रे क्रांति	2.	बागवानी एवं शहद
(C)	पीली क्रांति	3.	पेट्रोलियम उत्पादन
(D)	काली (ब्लैक) क्रांति	4.	उर्वरक

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	4	2	1	3
(b)	2	3	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	2	4	1	3

U.P.P.C.S. (Pre) - 2022

उत्तर: (d), काली क्रांति – पेट्रोलियम उत्पादन से संबंधित है।

- पीली क्रांति– तिलहन उत्पादन से संबंधित है।
- ग्रे क्रांति– उर्वरक से संबंधित है।
- गोल्डन क्रांति– बागवानी और शहद उत्पादन से यह 1991 में आरंभ हुआ है।
- गोल्डन फाइबर क्रांति जूट उत्पादन से संबंधित है।

प्रश्न:फसल चक्र के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है/हैं?

1) गहरी जड़ों वाली फसलों के बाद उसी तरह की फसलें उगानी चाहिए।
2) फलीदार फसल के बाद बिना फली वाली फसल लेनी चाहिए।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए-

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

U.P.P.C.S. RO/ARO (Pre) - 2021

उत्तर: (b), किसी क्षेत्र से एक निश्चित समय में उसकी मृदा उर्वरता को बनाए रखते हुए उगायी जाने बाली फसली के क्रम को फसल चक्र कहते हैं।

व्याख्या: एक उत्तम फसल चक्र के प्रमुख सिद्धांत निम्नलिखित होते हैं।

1) उथली जड़ बाली फसलों के बाद गहरी जड़ वाली फसलों को उगाना चाहिए
2) अधिक खाद्य की आवश्यकता वाली फसलों के बाद कम खाद्य की आवश्यकता वाली फसलों उगाना चाहिए।
3) अधिक जल की आवश्यकता वाली फसलों के बाद कम जल की आवश्यकता वाली फसलों उगाना चाहिए।
4) फलीदार फसलों के बाद अफलीदार फसलों को उगाना चाहिए।
5) कृषि साधनों का प्रयोग क्षमतापूर्वक ढंग से करना चाहिए। भूमि कटाव से प्रभावित क्षेत्रों में फसल चक्र में आच्छादित फसलों का समावेश होना चाहिए।

प्रश्न:नाइजर (रामतिल) की फसल एक तेल की फसल है। इसके बीजों में तेल की मात्रा कितनी पायी जाती है?

(a) 7 - 16% (b) 17 - 26%
(c) 27 - 36% (d) 37 - 47%

U.P.P.C.S. RO/ARO (Pre) - 2021

उत्तर: (d), रामतिल के बीजों में 38–43 प्रतिशत तेल एवं 20 से 30 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा पायी जाती है। साथ ही इसके बीजों में 483 कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट 9 से 13% और कैल्शियम 180–800 की मात्रा पाई जाती है।

व्याख्या: आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों की जननी के नाम से जानी जाने वाली रामतिल एक तिलहनी फसल है। इस फसल को नमी के अभाव में अथवा विषम परिस्थितियों में अनुपजाऊ एवं कम उर्वराशक्ति वाली भूमि में भी उगाया जा सकता है। यह फसल भूमि का कटाव होने से रोकती है।

प्रश्न:सूची-I और सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (फल)		**सूची-II (सबसे बड़ा उत्पादक)**
(A) आम	(1)	जम्मू और कश्मीर
(B) लीची	(2)	केरल
(C) नारियल	(3)	बिहार
(D) सेब	(4)	उत्तर प्रदेश

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	4	3	1	2
(b)	1	2	3	4
(c)	4	3	2	1
(d)	1	2	4	3

U.P.P.C.S. RO/ARO (Pre) - 2021

उत्तर: (c), विकल्प c सही उत्तर है।

व्याख्या: भारत में मुख्य आम उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है, जो कि देश के कुल आम उत्पादन का 23.86% हिस्सा है। इसका सबसे अधिक उत्पादन भारत में होता है। यह भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस में राष्ट्रीय फल माना जाता है और बांग्लादेश में इसके पेड़ को राष्ट्रीय पेड़ का दर्जा प्राप्त है।

- लीची के फल पोषक तत्वों से भरपूर एवं स्फूर्तिदायक होते है। इसके फल में शर्करा (11%), प्रोटीन (0.7%), वसा (0.3%), एवं अनेक विटामिन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। बिहार देश का सबसे बड़ा लीची उत्पादक राज्य है।

उद्योग और अवसंरचना

प्रश्न:वर्ष 2022 के प्रारंभ में कौन-सा देश इस्पात उत्पादन में विश्व में सबसे ऊपर रहा?

(a) भारत (b) जापान
(c) इंग्लैंड (d) चीन

U.P.P.C.S. (Pre) - 2022

उत्तर: (d), चीन ने मार्च 2022 में 88.3 मिलियन टन का उत्पादन किया और विश्व में इस्पात उत्पादन में शीर्ष पर है।

व्याख्या: विश्व इस्पात संघ के अनुसार, 2021 में भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन 18 प्रतिशत बढ़कर 118 मिलियन टन (MT) हो गया। विश्व इस्पात संघ (विश्व इस्पात) को आँकड़ा देने वाले 64 देशों के लिए विश्व कच्चे इस्पात का उत्पादन मार्च 2022 में 161.0 मिलियन टन (Mt) था, जो मार्च 2021 की तुलना में 5.8% कम है।

प्रश्न:निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही सुमेलित नहीं है?

	एल्यूमीनियम संयंत्र	**अवस्थिति**
(a)	इंडियन एल्यूमीनियम कंपनी	हीराकुड लिमिटेड (INDAL)
(b)	भारत एल्यूमीनियम कंपनी	कोरबा लिमिटेड (BALCO)
(c)	हिन्दुस्तान एल्यूमीनियम	रेनुकूट कार्पोरेशन लिमिटेड (HINDALCO)
(d)	मद्रास एल्यूमीनियम कंपनी	चेन्नई लिमिटेड (MALCO)

U.P.P.C.S. (Pre) - 2022

उत्तर: (d), मद्रास एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (MALCO), मेट्टूर: इसे 1965 में तमिलनाडु के सेलम जिले के पास मेट्टूर में स्थापित किया गया था। इसलिए जोड़ी (a) सही नहीं है।

व्याख्या: यह शेवारॉय पहाड़ियों से बॉक्साइट और मेट्टूर हाइडल परियोजना से बिजली प्राप्त करता है।

- **भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को), कोरबा:** यह एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है जिसने 1965 में कोरबा (बिलासपुर जिला, छत्तीसगढ़) में अपना संयंत्र स्थापित किया था।
- **हिंदुस्तान एल्युमिनियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हिंडाल्को), रेणुकूट :** इसे 1958 में मिर्जापुर से लगभग 160 किमी दक्षिण में रेणुकूट में स्थापित किया गया था।
- **इंडियन एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (INDAL), हीराकुंड :** इसने 1938 में एक निजी कंपनी के रूप में उत्पादन शुरू किया और 1944 में इसे एक सार्वजनिक कंपनी में बदल दिया गया।

प्रश्न:10 अप्रैल, 2022 को घोषित 'नीति आयोग के राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक के अन्तर्गत भारत के निम्नलिखित में से शीर्ष प्रदर्शन करने वाले तीन राज्य कौन-से हैं?

(a) पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल
(b) तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक
(c) गुजरात, केरल, पंजाब
(d) मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम

U.P.P.C.S. (Pre) - 2022

उत्तर : (c), बड़े राज्यों में शीर्ष तीन राज्य श्रेणी: गुजरात, केरल, पंजाब

व्याख्या: छोटे राज्यों में शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वाले गोवा, त्रिपुरा और मणिपुर हैं।

- छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और झारखंड को सबसे नीचे रखा गया।
- नीति आयोग ने राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक (SECI) चरण I का शुभारंभ किया।
- राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक (SECI) चरण I, राज्यों के प्रदर्शन को 6 मापदंडों पर श्रेणीबद्ध करता है, अर्थात्

डिस्कॉम प्रदर्शन

- ऊर्जा की पहुंच, सामर्थ्य और विश्वसनीयता
- स्वच्छ ऊर्जा पहल
- ऊर्जा दक्षता
- पर्यावरणीय स्थिरता; तथा
- नई पहल।

प्रश्न:निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

I. भारतीयों द्वारा चीनी उद्योग का विकास
II. रिषड़ा में प्रथम जूट मिल का प्रारंभ
III. भारत में स्टील का प्रथम बार उत्पादन
IV. बम्बई में प्रथम कपड़ा मिल का प्रारंभ

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूट:

(a) I, II, IV और III (b) IV, II, III, और I
(c) II, I, III और IV (d) III, II, I और IV

U.P.P.C.S. RO/ARO (Pre) - 2021

उत्तर: (b), भारत में प्रथम सूती कपड़ा मिल 1854 में मुंबई में स्थापित हुई। 19वी शताब्दी की शुरुआत से ही भारत से इंग्लैंड और चीन को होने वाले कच्चे कपास के निर्यात के लिए बम्बई एक महत्वपूर्ण बन्दरगाह बन चुका था।

- जूट उद्योग में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। जूट 'सोने का रेशा' के नाम से मशहूर है।
- जूट उद्योग का पहला कारखाना कोलकाता के समीप रिसरा नामक स्थान में 1859 में लगाया गया था। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत विभाजन से सर्वाधिक प्रभावित होने वाला उद्योग यही था, क्योकि तत्कालीन 120 कारखानों में से 10 पूर्वी पाकिस्तान में चले गये थे, जबकि जूट उत्पादन क्षेत्र का अधिकांश भाग उसके पास था।
- भारत में पहला इस्पात संयंत्र जमशेदपुर में भारत में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना जमशेदजी नसरवानजी टाटा ने 1907 में की थी।